सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 217 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 13 सितम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

हमें शांति के लिए उतनी ही बहादुरी से लड़ना चाहिए, जितना हम युद्ध में लड़ते हैं।
-लाल बहादुर शास्त्री

महिला सुरक्षा में भाजपा पूरी तरह से ... 7 | विस चुनाव के रंग में रंगने... 3 | भाजपा ने यूपी को बना दिया... 2

केजरीवाल को मिली 'सुप्रीम' राहत विपक्ष हुआ भाजपा पर हमलावर

10 लाख रुपए के मुचलके पर सीबीआई केस में सुप्रीम कोर्ट ने दी सशर्त जमानत

दिल्ली सीएम के जेल से बाहर आने का रास्ता अब हुआ साफ, आप में जश्न का माहौल, बताया सत्य की जीत

सिसोदिया बोले- सच्चाई की जीत हुई और झूठ का हुआ पर्दाफाश, विपक्ष ने बताया- भाजपा के मुंह पर करारा तमाचा

भाजपा बोली- बेल का मतलब दोषमुक्त नहीं इस्तीफा दें केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शुक्रवार का दिन आम आदमी पार्टी और उसके मुखिया व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए बड़ी खुशियां लेकर आया है। पूरी आम आदमी पार्टी ईश्वर और देश की सर्वोच्च अदालत की शुक्रगुजार है क्योंकि एक लंबे वक्त के बाद अरविंद केजरीवाल अब जेल से बाहर आएंगे। कथित दिल्ली शराब घोटाले में सीबीआई के केस में भी सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को 10 लाख रुपये के मुचलके और दो जमानत राशियों पर जमानत दी है। उन्हें ईडी के मामले में पहले ही जमानत मिल गई थी। अब सीबीआई के मामले में भी जमानत मिलने से उनके जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है। वे आज तिहाड़ जेल से बाहर निकल सकते हैं।

कोर्ट ने केजरीवाल से जुड़ी दो याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को सशर्त जमानत दी है।

अरविंद केजरीवाल को राहत मिलने के बाद अब इस मामले पर सियासत भी गरमा गई है और आम आदमी पार्टी समेत पूरा विपक्ष भाजपा पर हमलावर है और बीजेपी सरकार को घेर रहा है। वहीं बीजेपी अभी भी केजरीवाल के इस्तीफे की मांग पर ही अड़ी है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आते ही आम आदमी पार्टी में खुशी की लहर दौड़ गई। मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज और आतिशी सहित आप नेताओं ने सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट द्वारा ज़मानत दिए जाने पर जश्न मनाया और मिठाई बांटी।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने आबकारी नीति भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री केजरीवाल को नियमित जमानत देने का फैसला सुनाया। इस संबंध में न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने उनके फैसले पर सहमति जताई। सीबीआई की गिरफ्तारी से जुड़ी याचिका पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अपीलकर्ता की गिरफ्तारी अवैध नहीं थी।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश भाजपा के मुंह पर तमाचाः सिसोदिया

मनीष सिसोदिया ने कहा कि झूंठ और साजिशों के खिलाफ लड़ाई में आज पुनः सत्य की जीत हुई है। ये एक बार फिर साबित हो गया है कि केजरीवाल जैसा सच्चा नेता इस देश में नहीं है। जिनको गिरफ्तार करने के लिए भाजपा ने साजिश रची। उन्हें जेल में डाला। आज सुप्रीम कोर्ट का हम धन्यवाद करते हैं जिनके कारण आज सच्चाई की जीत हुई है और झूठ का पर्दाफाश हुआ है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश भाजपा के मुंह पर कड़ा तमाचा है कि आप एजेंसियों का गलत उपयोग कर रहे हैं।

बीजेपी के झूठ का पहाड़ ध्वस्त हो चुका हैः संजय

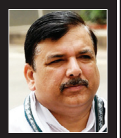

केजरीवाल को जमानत दिए जाने पर आप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। संजय सिंह ने कहा कि पहले दिन से हम लोग कह रहे थे ये पूरा मामला झूठ की बुनियाद पर खड़ा किया गया है और यह झूठा है। आज केजरीवाल की रिहाई ने ये साबित कर दिया कि भाजपा के झूठ का पहाड़ ध्वस्त हो चुका है।

सुनीता केजरीवाल ने आप परिवार को दी बधाई

सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, आप परिवार को बधाई। मजबूत बने रहने के लिए बधाई। हमारे अन्य नेताओं की जल्द रिहाई की भी कामना करती हूं।

केजरीवाल की जमानत संविधान की जीतः अखिलेश

केजरीवाल की रिहाई पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि दिल्ली के लोकप्रिय व जन कल्याणकारी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत 'संविधान की जीत' है। संविधान विरोधी ही संविधान का दुरुपयोग करते हैं। न्याय के दरवाजे पर दी गयी दस्तक हमेशा सुनी जाती है। दुनिया अब तक इसी परंपरा पर आगे बढ़ी है और आगे भी बढ़ती रहेगी।

देश में लोकतंत्र की नींव अभी भी मजबूत है : शरद पवार

केजरीवाल को जमानत मिलने पर एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कि केजरीवाल की जमानत से एक बात तो साफ है कि देश में लोकतंत्र की नींव अभी भी मजबूत है। सत्य की राह पर इतने दिनों की लड़ाई आज शुरू हुई। केजरीवाल की जमानत ने साफ है कि लोकतांत्रिक देश में किसी को गलत तरीके से अपदस्थ करने की साजिश सफल नहीं होगी।

मनोज झा ने भाजपा को घेरा

केजरीवाल के जमानत मिलने पर आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने बीजेपी को निशाने पर लेते हुए कहा कि ये तो होना ही था। ये हर एक केस में होगा क्योंकि सारे केस बीजेपी के ऑफिस में फेक बनाए गए थे। झा ने कहा कि आज इस केस में देखिए तमाचा पड़ा है ना, सिर्फ ईडी, आईटी और सीबीआई को बल्कि उनको भी पड़ा है जो ये योजना बनाते हैं। एक संदेश साफ है बाज आ जाएं क्योंकि कल जब आप सत्ता में नहीं होंगे तो ये एजेंसी आपके दरवाजे पर भी दस्तक देगी। मैं आप और पार्टी की पूरी टीम को बधाई देता हूं।

कोर्ट ने जमानत के साथ रखीं ये शर्तें

सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत देते हुए कुछ शर्तें भी लगाई हैं। जमानत के लिए उन पर वहीं शर्तें लागू होंगी, जो ईडी के मामले में जमानत देते हुए लगाई गई थीं। जेल से बाहर आने के बाद केजरीवाल किसी भी फाइल पर दस्तखत नहीं कर पाएंगे। इसके साथ ही उनके दफ्तर जाने पर भी पाबंदी रहेगी। इतना ही नहीं, इस मामले में वो कोई बयान या टिप्पणी भी नहीं कर सकेंगे। किसी भी गवाह से किसी तरह की बातचीत नहीं करेंगे। साथ ही जरूरत पड़ने पर ट्रॉयल कोर्ट में पेश होंगे और जांच में सहयोग करेंगे।

जमानत मिलना, दोषमुक्त का प्रमाण नहीं : नकवी

भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि जमानत का मतलब बरी होना नहीं होता यह वह खुद तय कर लें कि कब सत्य पराजित होता है कब जीतता है। अब अगर अपने सियासी गुणा-भाग के लिए सत्य पराजित हो रहा है, परेशान हो रहा है और विजय हो रहा है लेकिन उनके लिए सबक और संदेश है कि जो लोग की न्याय व्यवस्था और कानून पर समय समय पर अपने सियासी स्वार्थ के लिए सवालिया निशान खड़े करते हैं। किसी भी आरोपी को जमानत मिलना उसे दोषमुक्त होने का प्रमाण पत्र नहीं है। क्या जमानत बेगुनाही का प्रमाण पत्र है ?

केजरीवाल को मुख्यमंत्री रहने का अधिकार नहींः सचदेवा

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी गिरफ्तारी वैध है। केजरीवाल को सशर्त जमानत मिलना कोई विशेष उपलब्धि नहीं है। मुकदमा चलेगा और उन्हे शीघ्र लंबी सजा होगी। केजरीवाल याद रखें वह शीघ्र सजा पाकर फिर जेल जाएंगे। जिन शर्तों पर अरविंद केजरीवाल को जमानत मिली है उनके चलते उन्हें अब मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। जब वह मुख्यमंत्री का काम नहीं कर सकेंगे तो वो मुख्यमंत्री क्यों। अगर वो सच्चे हैं तो यह शर्त क्यों, इस्तीफा दें?

भाजपा ने यूपी को बना दिया फर्जी एनकाउंटर की राजधानी : अखिलेश

» बोले- अभी तक सबसे अधिक पीडीए के लोग मारे गए

» अयोध्या में गरीबों की जमीन लूट रही है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव प्रदेश की योगी सरकार पर फर्जी एनकाउंटर को लेकर पिछले कुछ दिनों से लगातार हमलावर बने हुए हैं। एक बार फिर अखिलेश ने फर्जी एनकाउंटर को लेकर भाजपा को घेरा है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा ने यूपी को फर्जी एनकाउंटर की राजधानी बना दिया है। सुल्तानपुर डकैती कांड में मंगेश यादव को घर से उठाकर मार दिया गया। अखिलेश ने साफ कहा कि मंगेश की हत्या की गई है।

उन्होंने कहा कि एनकाउंटर के समय जो पुलिसकर्मी था वो चप्पल में था। यूपी में झूठे एनकाउंटर हो रहे हैं। अभी तक एनकाउंटर में सबसे ज्यादा पीडीए के लोग मारे गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मठाधीश और माफिया में ज्यादा फर्क नहीं होता है।

अयोध्या को बनाया जाना चाहिए विश्व स्तर का शहर

प्रदेश के पूर्व सीएम ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने अयोध्या में जमीनों की लूट की है। इसमें अधिकारी भी शामिल हैं। गरीबों की जमीन सस्ते दामों पर ली और फिर सर्किल रेट बढ़ा दिए। उन्होंने कहा कि अयोध्या को विश्वस्तर का शहर बनाया जाना चाहिए। इसके लिए दिमाग लगता है। जब हमारी सरकार आएगी तो अयोध्या को विश्वस्तर का शहर बनाएंगे। गरीबों को अगर सर्किल रेट बढ़ाकर दाम देना पड़ेगा तो देंगे। भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए सपा नेता पवन पांडेय ने कहा कि भाजपा नेताओं ने अयोध्या में सेना की जमीन कब्जा ली है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में जमीन कब्जाने का काम भाजपा नेता, सरकार और अधिकारी मिलकर कर रहे हैं। सपा नेता ने आरोप लगाया कि विकास की परियोजनाओं के बहाने गरीबों की जमीन को लूटा जा रहा है। कालाबाजारी की जा रही है। उन्होंने रजिस्ट्री के कागज मीडिया में भी दिखाए और अखिलेश यादव को सौंपे।

प्रदेश में अपराध बेलगाम है: माता प्रसाद पांडेय

यूपी विधानसभा में नेता विपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने योगी सरकार पर फर्जी एनकाउंटर करवाने के आरोप लगाए। नेता विपक्ष ने कहा कि कुछ लोगों को पकड़कर हाथ-पांव बांध दिए जाते हैं और गोली मारकर घायल कर दिया जाता है। इस तरह एनकाउंटर किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हत्या, लूट और डकैती की घटनाएं बढ़ रही हैं। प्रदेश में अपराध बेलगाम हैं।

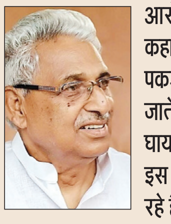

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री की बेटी शरद पवार की पार्टी में हुईं शामिल

» चुनाव से पहले अजित पवार को बड़ा झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और एनसीपी नेता धर्मराव बाबा आत्राम की बेटी भाग्यश्री आत्राम अब शरद पवार के गुट में शामिल हो गई हैं। अजित पवार के बहुत रोकने के बावजूद भाग्यश्री ने अपना फैसला नहीं बदला और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) की सदस्यता ग्रहण कर ली।

एनसीपी-एसपी प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल और नेता अनिल देशमुख के सामने भाग्यश्री आत्राम विपक्षी दल में शामिल हो गईं। इसके लिए गढ़चिरौली जिले के अहेरी में समारोह आयोजित किया गया था। अब कयास लगाए जा रहे हैं कि नवंबर में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाग्यश्री और उनके पिता के बीच चुनावी टक्कर हो सकती है।

धर्मराव बाबा आत्राम अहेरी सीट से ही विधायक हैं। शरद गुट की सदस्यता ग्रहण करने के दौरान भाग्यश्री ने कहा कि जब उनके पिता को नक्सलियों ने अगवा कर लिया था, तब शरद पवार ने ही उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की थी। उन्होंने कहा कि यह शरद पवार के प्रति आभार व्यक्त करने का मेरा तरीका है। भाग्यश्री आत्राम ने इस बात का दुख जताया कि महाराष्ट्र में एनसीपी के बंटवारे के बाद और अजित पवार गुट के महायुति में शामिल होने के बाद उनके पिताजी (धर्मराव आत्राम) ने शरद पवार का साथ छोड़ दिया था।

एमवीए बनाएगा महाराष्ट्र में सरकार : जयंत पाटिल

धर्मराव आत्राम की बेटी को अपनी पार्टी में शामिल करने के बाद जयंत पाटिल ने कहा कि भाग्यश्री को अपने पिता का फैसला मंजूर नहीं था। उन्होंने कहा कि हमने पार्टी में भाग्यश्री वापसी को टाल दिया, क्योंकि हम देखना चाहते थे कि क्या वह अपने फैसले पर अडिग हैं। जयंत पाटिल ने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन एमवीए राज्य में अगली सरकार बनाएगा और सभी सीट पर जीत हासिल करने के लिए लड़ेगा। गठबंधन में शरद पवार की एनसीपी-एसपी, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना-यूबीटी शामिल हैं।

हरियाणा में कोई नहीं लेना चाहता बीजेपी का टिकट : राघव चड्ढा

» आप सांसद बोले- भाजपा फ्लॉप फिल्म की तरह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में आप प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार करते हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि आपने सुना होगा - मिर्ची सुनने वाले ऑलवेज खुश, वैसे ही केजरीवाल चुनने वाले ऑलवेज खुश। सत्तारूढ़ बीजेपी पर हमला करते हुए आप सांसद ने कहा कि भाजपा की हालत फ्लॉप फिल्म जैसी है, जिसकी टिकट कोई नहीं लेता।

आज हरियाणा में कोई नेता बीजेपी की टिकट नहीं लेना चाहता जिन्हें टिकट मिली वो भी टिकट वापिस कर रहे हैं।

राघव ने आगे कहा कि हरियाणा के एक ओर पंजाब है जहां आप की सरकार है, हरियाणा की दूसरी ओर दिल्ली है जहां आप की सरकार है। अब हरियाणा में आप की सरकार बनी तो विकास का ट्रिपल इंजन चलेगा। हरियाणा से बेरोजगारी तब खत्म होगी जब हरियाणा के भ्रष्ट नेताओं को आप बेरोजगार करेंगे।

एक बार केजरीवाल की पार्टी को ट्राई करके देखो

राघव ने पार्टी प्रत्याशी के लिए वोट मांगते हुए कहा कि जनता ने बीजेपी को ट्राई कर लिया, कांग्रेस को ट्राई कर लिए, इनेलो को ट्राई कर लिया और जेजेपी को ट्राई कर लिया। इन सबने आपका उद्धार नहीं किया। एक बार अरविंद केजरीवाल की पार्टी को भी ट्राई करके देख लो। आजमा कर देख लो। दिल्ली वालों ने आजमाया था हर चुनाव में झाड़ू का बटन दबाते हैं।

कांग्रेस ने भी नहीं किया जनता का भला

आप सांसद ने बीजेपी और कांग्रेस दोनों पर हमला करते हुए कहा कि इस बार बीजेपी को जेजेपी को जमानत जब्त पार्टी बनाने का काम करना है। जेजेपी जिसे इस बार जमानत जब्त पार्टी के नाम से पूरे हरियाणा में जाना जा रहा है। जिसने हरियाणा की आवाम के साथ विश्वासघात का काम किया। आपने कांग्रेस को ट्राई करके देख लिया, कांग्रेस ने भी भला नहीं किया।

अब घाटी में किसी में पत्थरबाजी करने की हिम्मत नहीं : सीएम धामी

उत्तराखंड के सीएम ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जम्मू-कश्मीर में की जनसभा

» बोले- कांग्रेस के शहजादे अगर कश्मीर आ पा रहे हैं तो ये पीएम मोदी की देन है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में चुनावी प्रचार काफी जोरों पर है। इसी क्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए पहुंचे। राज्य की सांबा विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी सुरजीत सिंह सलाथिया के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद अब किसी में पत्थरबाजी करने की हिम्मत नहीं है।

कांग्रेस के शहजादे कश्मीर में आ पा रहे हैं, तो इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही जाता है, जिन्होंने अनुच्छेद 370 हटाकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की एक देश, एक विधान और एक निशान की कल्पना को साकार किया।

जनसभा में सीएम धामी ने कहा कि भाजपा सरकार में जम्मू-कश्मीर के अंदर मिनिमम टेररिज्म और मैक्सिमम टूरिज्म हो गया है। उन्होंने वीरों की भूमि सांबा को नमन करते हुए कहा कि जनता के आशीर्वाद से निश्चित ही भाजपा प्रत्याशी सलाथिया भारी बहुमत से विजयी होंगे।

विपक्ष पर बोला हमला

कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि कांग्रेस के शहजादे अगर आज कश्मीर के अंदर आ पा रहे, तो इसका श्रेय भी प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी के लोग कहते हैं कि पाकिस्तान के साथ व्यापार और वार्ता शुरू कर देना चाहिए। आतंकवादियों, अलगाववादियों को पत्थरबाजों को छोड़ देना चाहिए। उनकी सोच देश विरोधी सोच है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कश्मीर में विकास की नई राह खुली

बीजेपी सीएम ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में विकास की नई राह खुली है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में अनेक कार्य हो रहे है। आज घाटी में आईआईटी, आईआईएम संग कई कॉलेज खुले हैं। 25,000 करोड़ की लागत से कई हाइड्रो प्रोजेक्ट पर कार्य गतिमान है। अब युवाओं के हाथ में हथियार नहीं हुनर है। उन्होंने कहा कि 2019 के बाद से 30 हजार युवाओं को रोजगार मिल चुका है और 70 हजार करोड़ का विदेशी निवेश बढ़ा है। यह नया जम्मू कश्मीर है, जिसका हमें लंबे समय से इंतजार रहा है। आज लाल चौक में भारत का झंडा बुलंद रहता है।

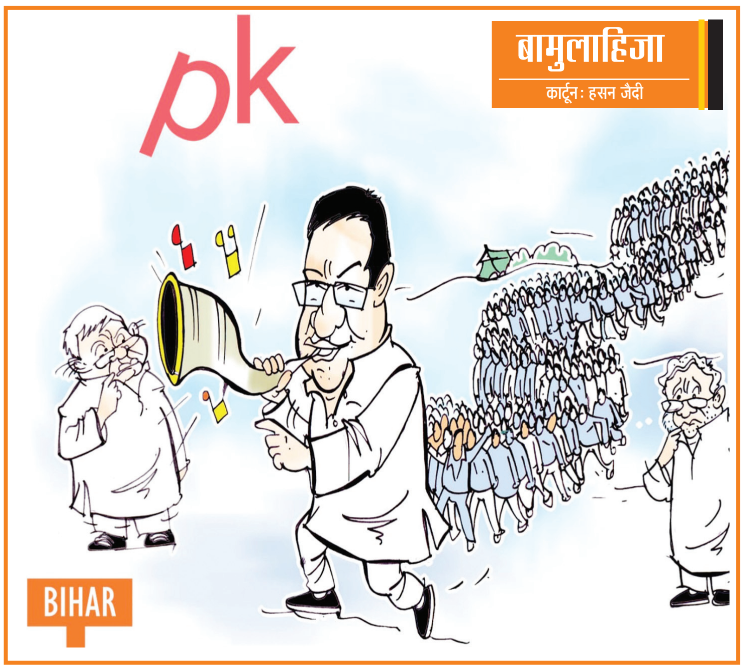

येचुरी गरीबों के लिए लड़ने वाले संघर्षशील नेता थे : तेजस्वी

» राजद नेता ने माकपा महासचिव सीताराम येचुरी के निधन पर जताया दुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी के निधन पर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया। येचुरी ने 72 साल की उम्र में दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली।

सीताराम येचुरी को याद करते हुए तेजस्वी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सीपीएम महासचिव व पूर्व सांसद कॉमरेड सीताराम येचुरी के असामयिक निधन की खबर सुन दुखी हूं। वे गरीबों के लिए लड़ने वाले एक संघर्षशील नेता एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। उनके निधन से भारतीय राजनीति को अपूरणीय क्षति हुई है। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

बता दें कि सीताराम येचुरी लंबे समय से बीमार थे। 19 अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था। इसके बाद उन्हें एम्स के आईसीयू में शिफ्ट किया गया था। हाल ही में मोतियाबिंद की सर्जरी हुई थी।

विस चुनाव के रंग में रंगने लगी दिल्ली!

दिल्ली में मेयर चुनाव पर सियासी बवाल

- आप व बीजेपी में वार-पलटवार शुरू
- राष्ट्रपति शासन लगाने के विचार पर भी रार
- एलजी सक्सेना ने तलब की फाइलें
- मार्शल मामले में भी दोनों में नोकझोंक
- केजरीवाल को जमानत मिलने से कार्यकर्ताओं में बढ़ा उत्साह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव अगले साल होने हैं। पर वहां की सियासत गरमाई हुई है। सत्ता में बैठी आप व विपक्षी दल भाजपा के बीच आए दिन किसी न किसी मुद्दे को लेकर रार मची रहती है। अभी राष्ट्रपति शासन को लेकर बवाल खत्म भी नहीं हुआ कि अब मेयर चुनाव को लेकर आप व भाजपा में तलवारें खींच गई हैं। हालंकि आप के नेता भाजपा पर राजनीति करने का आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस भी इस मुद्दे पर आप को घेर रही है। गौरतलब हो कि दिल्ली के सीएम केजरीवाल अभी तक जेल में थे आज सुबह उन्हें जमानत मिल गई है जिससे उनके कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ गया है, अब उनकी पार्टी भाजपा से दो-दो हाथ करने में जुटी हुई है। वहीं मार्शलों को लेकर भी आप व भाजपा आमने सामने हैं।

एमसीडी के मेयर चुनाव की प्रक्रिया में अब एक निर्णायक मोड़ आ गया है। उपराज्यपाल ने हाल ही में चुनाव की प्रक्रिया को लेकर कदम उठाए हैं, जिससे चुनाव की संभावना तेज हो गई है। पिछले कुछ महीनों से मेयर चुनाव की प्रक्रिया में अड़चनें आ रही थीं। इसका मुख्य कारण मुख्यमंत्री का जेल में बंद होना है। इस कारण मेयर चुनाव की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो गई थी। एमसीडी के मेयर का चुनाव प्रतिवर्ष अप्रैल माह में होता है। इसके तहत एमसीडी ने गत अप्रैल माह में मेयर चुनाव के लिए पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति के संबंध में दिल्ली सरकार के पास फाइल भेजी थी। लेकिन, मुख्यमंत्री के जेल में होने के कारण संबंधित मंत्री ने यह फाइल सीधे उपराज्यपाल को भेज दी। उपराज्यपाल ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि फाइल को निर्धारित प्रक्रिया के तहत भेजा जाना चाहिए था। उन्होंने पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति करने से मना कर दिया और वर्तमान मेयर को कामकाज करने का निर्देश दिया। इसके परिणामस्वरूप, एमसीडी की ओर से मेयर चुनाव की कोई नई पहल नहीं की गई और चुनाव की प्रक्रिया लंबित हो गई। इसके चलते दलित वर्ग के पार्षदों के मेयर बनने का मामला लटक गया।

केजरीवाल को न्यायिक झटके से भी आप को हानि

अदालत ने कथित शराब नीति घोटाले के सिलसिले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 25 सितंबर तक बढ़ा दी। वहीं अदालत ने इसी मामले में आरोपी आप विधायक दुर्गेश पाठक को जमानत प्रदान कर दी। केजरीवाल अपनी पिछली हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। वहीं दुर्गेश पाठक सहित अन्य आरोपी भी पेश हुए। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अदालत को बताया कि वह अगले कुछ दिनों में केजरीवाल को आरोप पत्र की एक डिजिटल प्रति और एक भौतिक प्रति उपलब्ध कराएगी। पिछले सप्ताह राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने सीबीआई द्वारा आरोप पत्र पर संज्ञान लेते हुए केजरीवाल के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी किया था। सीबीआई ने पहले केजरीवाल और कथित आबकारी नीति घोटाले में शामिल अन्य व्यक्तियों के खिलाफ एक पूरक आरोप पत्र दायर किया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने नवीनतम आरोपपत्र में आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री शुरू से ही दिल्ली आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन की आपराधिक साजिश में शामिल थे।

मुख्यमंत्री ने जेल से कितने फैसले लिए बताएं : भाजपा

भाजपा विधायकों की तरफ से दिल्ली सरकार को भंग करने के लिए राष्ट्रपति को सौंपे गए ज्ञापन और राष्ट्रपति सचिवालय की तरफ से इस मसले को केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजे जाने के बाद दिल्ली में सियासी घमासान मच हुआ है। भाजपा का कहना है कि मुख्यमंत्री जेल में हैं। दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था ठप है। दिल्ली सरकार बार-बार संविधान का उल्लंघन कर रही है। लिहाजा सरकार को बर्खास्त किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के पत्र पर आप ने भाजपा को घेरा

भाजपा द्वारा राष्ट्रपति को दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने व आप सरकार को बर्खास्त करने की चिट्ठी लिखने को लेकर बवाल मच गया है। भाजपा का कहना है कि मुख्यमंत्री जेल में हैं। दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था ठप है। दिल्ली सरकार बार-बार संविधान का उल्लंघन कर रही है। लिहाजा सरकार को बर्खास्त किया जाना चाहिए। वहीं, दिल्ली में साजिशन राष्ट्रपति शासन लगाने की आशंका जाहिर करते हुए आम आदमी पार्टी ने कहा है कि आगामी चुनाव से पहले ही भाजपा ने हार मान ली है। भाजपा विधायकों की तरफ से दिल्ली सरकार को भंग करने के लिए राष्ट्रपति को सौंपे गए ज्ञापन और राष्ट्रपति सचिवालय की तरफ से इस मसले को केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजे जाने के बाद दिल्ली में आप व भाजपा के बीच तलवारें खींच गई हैं। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता की अगुवाई में भाजपा नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने 30 अगस्त को राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। भाजपा नेताओं ने राष्ट्रपति को बताया था कि दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था पंगु हो गई है। अभी तक छठे दिल्ली वित्त आयोग का गठन नहीं हुआ है। वहीं, सीएजी की 11 रिपोर्ट को सदन में नहीं रखी गई है। इसके साथ केंद्र सरकार की योजनाओं को जानबूझकर लागू नहीं किया गया है। मांग थी कि संविधान के लगातार उल्लंघन को देखते हुए दिल्ली सरकार को बर्खास्त करना चाहिए। इस पर राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से सोमवार विजेंद्र गुप्ता को लिखे पत्र में कहा गया है कि दिल्ली विधानसभा के सात अन्य विधायकों और एक पूर्व विधायक के संयुक्त रूप से हस्ताक्षरित 30 अगस्त के पत्र को स्वीकार कर लिया गया है। मसले पर उचित ध्यान के लिए इसे गृह मंत्रालय के गृह सचिव को भेज दिया गया है।

कांग्रेस व भाजपा उठा चुके हैं मुद्दा

दरअसल, एमसीडी ने तीसरे वर्ष के मेयर पद को दलित वर्ग के पार्षद के लिए आरक्षित किया है। आप और भाजपा के दलित पार्षदों ने इस पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल कर रखे हैं। उधर, कांग्रेस ने इस मुद्दे को उठाया और उनके नेताओं ने उपराज्यपाल से मुलाकात की। भाजपा ने भी मेयर चुनाव कराने के लिए उपराज्यपाल को पत्र लिखा।

सरकार गिराने का षड्यंत्र कर रही बीजेपी : आतिशी

दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने इस पर सख्त प्रतिक्रिया दी है। आतिशी ने कहा है कि भाजपा ने चुनाव से पहले ही मानी हार मान ली है। तभी चोर दरवाजे से दिल्ली सरकार को बर्खास्त करना चाहती है। आरोप है कि भाजपा का एक मात्र काम चुनी हुई विपक्षी सरकारों को गिराना है। भाजपा जब दिल्ली में आप के विधायक नहीं खरीद सकी, तो चुनी हुई सरकार को गिराने का षड्यंत्र शुरू कर दिया। आतिशी ने चेतावनी दी है कि अगर भाजपा षड्यंत्र रचकर अरविंद केजरीवाल की सरकार गिराएगी तो आने वाले चुनावों में दिल्ली की जनता भाजपा को मुंहतोड़ जवाब देगी। दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगा तो आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीरो सीटें आयेंगी। वहीं, आप सांसद संजय सिंह का कहना है कि भाजपा तय करे, उसे दिल्ली में आज हारना है या चार महीने बाद। भाजपा दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहती है। इसका मतलब है कि उसकी मंशा चार महीने पहले हारने की है। अगर भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव में अभी हारना चाहती है तो चुनाव की घोषणा कर दे, हम पीछे नहीं हट रहे हैं। संजय सिंह का आरोप है कि देश में आर्थिक-सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों को आरक्षण मिला है, इसे खत्म करने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। सिखों के प्रति दुर्भावना रखने वाली भाजपा ने किसान आंदोलन के दौरान उन्हें पाकिस्तानी, खालिस्तानी और आतंकवादी कहा था।

भाजपा ने लगाया दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था ठप होने का आरोप

नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने फिर से दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है। गुप्ता के मुताबिक, वित्त आयोग का गठन न होने से दिल्ली नगर निगम की वित्तीय स्थिति खराब हो गई है। पिछले पांच महीने से विधानसभा का सत्र तक नहीं बुलाया गया है। सत्र के दौरान प्रश्नकाल नहीं रखा जाता है। बारिश में 50 लोगों की मौत हो गई। जगह-जगह जलभराव हो रहा है जिस कारण ट्रैफिक जाम की समस्या है। सड़कें टूटी हुई हैं और हर दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। गुप्ता ने कहा कि शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री जेल में हैं। कैबिनेट की बैठकें तक नहीं हो रही है। दिल्ली जल बोर्ड 73,000 करोड़ रुपये कर्ज में है। दिल्ली स्किल आंत्रप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी में एक हजार करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है। राजनीतिक नियुक्तियां की जा रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय के 12 कॉलेजों को फंड ही नहीं मिल रहा। सियासत करने की जगह इस पर दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी का जवाब देना चाहिए।

घड़ियाली आंसू बहा रहे सौरभ भारद्वाज : सचदेवा

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल सरकार बेरोजगार बस मार्शलों की दयनीय स्थिति के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने बस मार्शलों को आश्वासन दिया कि 2025 के विधानसभा चुनावों के बाद, जब बीजेपी दिल्ली सरकार में आएगी, तो हम प्रशासनिक नियमों के तहत उनका पुनर्वास सुनिश्चित करेंगे। केजरीवाल सरकार ने उन्हें सेवा में शामिल करने से पहले उचित प्रशासनिक दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया। सरकार को पहले दिन से ही पता था कि उन्होंने कोई सेवा नियमों का पालन नहीं किया है, और जैसे ही कोई जांच होगी, मार्शल अपनी नौकरियां खो देंगे। लेकिन सरकार ने कभी भी प्रशासनिक आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास नहीं किया। दरअसल, जब बस मार्शलों की 6 महीने की सैलरी बकाया हो गई और उन्होंने प्रदर्शन शुरू किया, तो अरविंद केजरीवाल ने खुद उन्हें बर्खास्त करने का आदेश दिया। और आज जब चुनाव नजदीक हैं, तो सौरभ भारद्वाज जैसे आप नेता बस मार्शलों के लिए घड़ियाली आँसू बहा रहे हैं। पिछले साल भर में किसी भी केजरीवाल सरकार के मंत्री या आप नेता ने बस मार्शलों के लिए एक शब्द नहीं कहा, और आज भी उनकी अपील बस मार्शलों से यही है कि वे उनके लिए वोट करें।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मणिपुर में हिंसा, खूफिया तंत्र पर सवाल!

दरअसल, मणिपुर में मैतेयियों पर हमला करने के लिए कुकी विद्रोहियों द्वारा रॉकेट और बम ले जाने में सक्षम ड्रोनों का इस्तेमाल किया जाना, सूबे की अशांति में एक नया खतरनाक आयाम दर्शाता है। इनका इस्तेमाल न केवल मैतेयी बल्कि पूर्वोत्तर के अन्य उग्रवादी संगठनों के अलावा जम्मू-कश्मीर एवं भारत भर में सक्रि य उग्रवादियों, विद्रोहियों, नक्सलियों और अंदरूनी-बाहरी ताकतों को भी नया तरीका सुझाएगा।

एक साल से ज्यादा हो गए पर मणिपुर में हिंसा होते पर सरकारों पर जूं तक नहीं रेंक रही है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि वहां कर्फ्यू लगाना पड़ा। अपनी मांगों को लेकर छात्र आंदोलित हैं। राज्य के सीएम पीएम से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। सबसे गंभीर बात तो यह है कि ड्रोन हमले में बम व राकेट से आगजनी हो रही है। इन सबकों देखते हुए वहां आंतरिक सुरक्षा पर सवालिया निशान भी उठ गया है। साथ ही खूफिया तंत्र के कामकाज पर भी प्रश्न चिन्ह लगाता है। सरकारों को अब चाहिए की गंभीरता से मणिपुर की समस्याओं के निदान पर ध्यान दें। दरअसल, मणिपुर में मैतेयियों पर हमला करने के लिए कुकी विद्रोहियों द्वारा रॉकेट और बम ले जाने में सक्षम ड्रोनों का इस्तेमाल किया जाना, सूबे की अशांति में एक नया खतरनाक आयाम दर्शाता है। इनका इस्तेमाल न केवल मैतेयी बल्कि पूर्वोत्तर के अन्य उग्रवादी संगठनों के अलावा जम्मू-कश्मीर एवं भारत भर में सक्रि य उग्रवादियों, विद्रोहियों, नक्सलियों और अंदरूनी-बाहरी ताकतों को भी नया तरीका सुझाएगा।

जहां इन ड्रोनों का इस्तेमाल ज्यादातर हमास और हिजबुल्लाह जैसे अत्यधिक संगठित उग्रवादी समूहों द्वारा इस्राइल के खिलाफ किया जाता है वहीं इस्राइल, रूस और यूक्रेन जैसे देशों की सेना भी युद्धों में करती आई हैं। लेकिन अब अपराधियों के हाथों में, ये घातक हथियार का रूप धर सकते हैं।मणिपुर सरकार, सुरक्षा बल और केंद्रीय सरकार, यह सभी, हिंसा की अप्रत्याशित ताजा लहर से घिरे पाए गए हैं। या तो खुफिया एजेंसियां इस इजाफे का अनुमान लगाने में विफल रहीं या फिर प्रतिक्रिया यथेष्ट नहीं रही, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि, केंद्र सरकार के पास इस खतरे का मुकाबला करने के लिए तमाम संसाधन हैं। सेना, असम राइफल्स और भारतीय वायु सेना को तुरंत एकीकृत अभियान से इस नए खतरे पर लगाम लगानी चाहिए। उम्मीद है कि वे जल्द ही ऐसा करेंगे भी। लेकिन मणिपुर पुलिस को प्रशिक्षित करना और सुसज्जित करना एक चुनौती होगी, क्योंकि यह पूरी तरह से अलग खेल है। राज्य पुलिस की विगत कारगुजारी का लेखा-जोखा खराब रहने के कारण उसे पुनर्गठित करना होगा। आंतरिक और बाहरी, दोनों तरह की खुफिया एजेंसियों को भी अपने काम में काफी चुस्ती लानी होगी। पिछले वर्ष मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह आदेश, जिसमें राज्य सरकार से मैतेयियों के लिए अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर विचार करने और आगे यह सिफारिश केंद्र सरकार को पहुंचाने के लिए कहा गया था, इसका उपयोग जान-बूझकर अर्थ गलत पेश करके कुकी-मैतेयी के बीच संघर्ष की चिंगारी भड़काने में किया गया। लेकिन अब लोगों को भी अपने राज्य के लिए एक होना होगा। लोगों को राजनीति के चक्कर में अपने भाईचारे को खतम नहीं करना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

उपलब्धता के साथ गुणवत्ता भी है जरूरी

दीपिका अरोड़ा

जल, जिसे जीवन भी कहा जाता है, किसी वरदान से कम नहीं है। इसके बिना जीने की कल्पना भी असंभव है। भारत, जो विश्व की 17 प्रतिशत जनसंख्या का निवास स्थान है, कुल वैश्विक भूजल का एक-चौथाई से अधिक उपयोग करता है। यदि पेयजल की उपलब्धता की बात करें तो वर्तमान में भारत के पास विश्व के मीठे जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत मौजूद है। देश की आवश्यकताओं को देखते हुए इसे चुनौतीपूर्ण स्थिति कहा जा सकता है। 'जल संचय जन भागीदारी पहल' की शुरुआत पर प्रधानमंत्री भी इसी विषय पर चिंता प्रकट करते नजर आए। घटते भूजल स्तर के मद्देनजर देश के प्रत्येक नागरिक को इसका दुरुपयोग रोकने और पुनर्चक्रण के मंत्र को अपनाने की जरूरत है। जल संकट कमोबेश समूचे देश को अपनी चपेट में लेता जा रहा है। देश के अनेक हिस्से जल उपलब्धता से वंचित हैं। बीते दिनों दिल्ली और बेंगलुरु में पानी की भारी किल्लत देखने को मिली।

राष्ट्रीय राजधानी के कई क्षेत्र ड्राई जोन घोषित किए गए। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 60 करोड़ भारतीय जल संकट का सामना कर रहे हैं। सुरक्षित जल की अपर्याप्त पहुंच के कारण प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोग मृत्यु का शिकार हो जाते हैं। यूनिसेफ द्वारा 18 मार्च, 2021 को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 9.14 करोड़ बच्चे जलाभाव की गंभीर स्थिति से जूझ रहे हैं। पेयजल की बढ़ती कमी में विगत कुछ वर्षों से वर्षा का बदलता प्रतिरूप काफी हद तक जिम्मेदार है। अनियमित एवं कम बारिश तथा बढ़ते तापमान के कारण सूखे जैसे हालात उत्पन्न हो रहे हैं। औद्योगिक व शहरी उपयोग के साथ भारत की 60 प्रतिशत से अधिक कृषि और 85 प्रतिशत पेयजल आपूर्ति भूजल पर निर्भर है। देश की निरंतर बढ़ती जनसंख्या के दृष्टिगत मांग का आपूर्ति पर भारी पड़ना असंतुलन का दायरा कई गुणा बढ़ा देता है। अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के चलते अकारण जल रिसाव, वितरण में असमानता, अकुशल सिंचाई, अत्यधिक दोहन और जल संरक्षण के उपायों की कमी ने भी जल संकट बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

औद्योगिक कचरा, विविध रसायन, सीवेज और घरेलू अपशिष्ट जल स्रोतों में फेंकने अथवा आसपास डंप करने से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जिससे शुद्ध जल की मात्रा घट जाती है। लाखों भारतीयों तक सुरक्षित पेयजल की पहुंच न होने से जलजनित बीमारियों के मामले बढ़ गए हैं। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 163 मिलियन भारतीय सुरक्षित जल से वंचित हैं। 21 प्रतिशत संचारी रोग असुरक्षित जल से जुड़े हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों की सूची में 120वें स्थान पर है, जहां लगभग 70 प्रतिशत जल संदूषित है। जल प्रदूषण और दुरुपयोग का यह सिलसिला यूं ही जारी रहा तो वह दिन दूर नहीं जब देश की आधे से अधिक आबादी जल संकट से जूझेगी। डीसीएम श्रीराम और सत्व नॉलेज की मार्च, 2024 में आई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2050 तक देश के 50 प्रतिशत से अधिक जिलों में पानी की समस्या बढ़ सकती है। इस दौरान प्रति व्यक्ति पानी की मांग में 30 प्रतिशत और उपलब्धता में 15 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, यदि यही स्थिति रही तो 2050 तक देश में मौजूद जल का 40 प्रतिशत हिस्सा समाप्त हो सकता है। जल संरक्षण के संदर्भ में नियम-कानून बने होने तथा केंद्र-राज्य सरकारों द्वारा जल संरक्षण के प्रति जन जागृति फैलाने के लिए 'अटल भूजल योजना', 'कैच द रैन' और 'जल जीवन मिशन' जैसी अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। बावजूद इसके यदि हालात न सुधरें, तो स्पष्ट तौर पर न तो लोग इसे गंभीरता से ले रहे हैं और न ही नियम-कानूनों का समुचित क्रियान्वयन संभव हो पा रहा है। भारत का नाम जल संकट के अतिसंवेदनशील माने जाने वाले 37 देशों में सूचीबद्ध होना गहन मंथन का विषय है। जल संरक्षण के लिए आवश्यक है कि नवीन तकनीकों और नीतियों को अपनाते हुए ड्रिप सिंचाई जैसी टिकाऊ कृषि तकनीकों को बढ़ावा दिया जाए।

जैसा कि प्रधानमंत्री ने भी कहा, प्रकृति संरक्षण भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा रहा है। जल संचय केवल नीतियों तक सीमित न होकर एक पुण्यकर्म भी है, जिसमें उदारता और उत्तरदायित्व दोनों समाहित हैं। दूसरे शब्दों में, जल संरक्षण सामाजिक निष्ठा का भी विषय है, जिसका पालन हमारे पूर्वजों के लिए सर्वोपरि रहा। जल संकट एक स्वास्थ्य संकट है, और प्रत्येक नागरिक के लिए इसे समझना अनिवार्य है। प्रधानमंत्री के कथनानुसार, यदि 'रिड्यूस', 'रियूज़', 'रिचार्ज' और 'रिसाइकिल' अपनी दिनचर्या के अभिन्न भाग बना लिए जाएं, तो निस्संदेह हर बूंद सहेजने का यह प्रयास संजीवनी बनकर कितने ही लोगों का जीवन बचा सकता है। इससे बढ़कर परोपकार और क्या हो सकता है!

जनतांत्रिक व्यवस्था में जनता की सर्वोच्चता निर्विवाद

विश्वनाथ सचदेव

कुछ अरसा पहले वाराणसी में एक टी.वी. इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ ऐसा कह दिया था, जिससे कोई भी चौंक सकता था। प्रधानमंत्री ने कहा था, 'पहले मैं यह माना करता था कि मेरा जन्म बायलॉजिकल था। कालांतर में मुझे विश्वास हो गया कि मुझे भगवान ने किसी विशेष काम के लिए भेजा है'। उनके इस कथन ने बहुतों को चौंकाया था। ऐसा नहीं है कि अलौकिक शक्तियों से युक्त होने के दावे पहले नहीं किये गये, पर अक्सर ऐसी बातों को भुला दिया जाता है। प्रधानमंत्री की 'गैर बायलॉजिकल' होने वाली बात को भी भुला ही दिया गया था। अच्छी बात यह भी है कि स्वयं प्रधानमंत्री ने भी अपनी इस बात को दुहराना जरूरी नहीं समझा। लेकिन हाल ही में केरल में हुई संघ-परिवार की तीन दिवसीय बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत ने बिना प्रधानमंत्री का नाम लिए कुछ ऐसा कहना जरूरी समझा कि अनायास ही प्रधानमंत्री की कही बात याद आ गयी।

भागवत ने केरल में कहा, 'किसी को स्वयं को भगवान नहीं समझना चाहिए, भगवान लोग बनाते हैं'। ज्ञातव्य है कि संघ-प्रमुख बिना किसी का नाम लिए यह भी कह चुके हैं कि एक स्वयंसेवक को अहंकारी नहीं होना चाहिए। संघ-प्रमुख ने भले ही अपने भाषण में किसी का नाम न लिया हो, पर समझने वालों के लिए संकेत समझना मुश्किल नहीं था। और अब इस बारे में कयास लगाये जा रहे हैं कि उन्होंने यह बात कहना जरूरी क्यों समझा। बहरहाल, आजादी मिलने से कुछ ही पहले की बात है। जवाहरलाल नेहरू ने 'चाणक्य' छद्मनाम से एक लेख लिखकर देश की जनता को सावधान किया था कि यदि जवाहरलाल नेहरू को नियंत्रित नहीं रखा गया तो यह व्यक्ति तानाशाह भी बन सकता है। उनके शब्द भले ही कुछ और रहे हों, पर मंतव्य यही था। उन्होंने देश की जनता को आगाह किया था कि जनतांत्रिक व्यवस्था में किसी को भी स्वयं को अपनी कथित अलौकिकता का दावा करने का अधिकार नहीं है। महान वही है जिसे जनता उसके कार्यों के आधार पर महान समझे।

जवाहरलाल नेहरू ने जब छद्मनाम से वह लेख लिखा था तो वे वस्तुत: स्वयं को आगाह कर रहे थे कि उन्हें संयम से, सीमा में, रहना होगा। आज मोहन भागवत स्वयं को भगवान समझने वालों को यही संदेश दे रहे हैं। वस्तुत: यह संदेश नहीं, चेतावनी है। उनके लिए भी चेतावनी जो स्वयं को महान अथवा अलौकिक समझते हैं, और जनता के लिए भी जो किसी कथित अलौकिकता का शिकार बन सकती है, बन जाती है। नेताओं को संयम में रहना चाहिए, और जनता को भी उनकी नकेल अपने हाथ से नहीं छोड़नी चाहिए। अब्राहम लिंकन ने कहा था, जनतंत्र शासन की उस प्रणाली का नाम है जिसमें सरकार जनता की होती है, जनता के लिए होती है, और जनता के द्वारा चलायी जाती है। अर्थात जनता सर्वोपरि है। कोई भी नेता चाहे कितना भी महान क्यों न हो, देवता या भगवान होने का दावा नहीं कर सकता। जनतंत्र में इस तरह की सोच के लिए कोई स्थान नहीं है।

केरल की उस बैठक में संघ-परिवार के सभी घटक सम्मिलित हुए थे। संघ की राजनीतिक शाखा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी वहां उपस्थित थे। हाल ही में हुए आम चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा-अध्यक्ष ने स्पष्ट शब्दों में यह कहा था कि 'अब भाजपा को संघ की बैसाखी की आवश्यकता नहीं है।' संघ के नेतृत्व को यह बात रास नहीं आयी, और कहते हैं, भाजपा को चुनाव में पर्याप्त सफलता न मिलने का एक कारण संघ के स्वयंसेवकों की बेरुखी भी थी। संघ प्रमुख द्वारा बार-बार बिना नाम लिए प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाना भी यह बताता है कि संघ और भाजपा के रिश्तों में कहीं कुछ खटास आयी है। यह खटास कैसे दूर हो सकती है, इस बारे में संबंधित पक्षों को ही सोचना और कुछ करना होगा। लेकिन भाजपा के नेतृत्व को, विशेष रूप से प्रधानमंत्री को, कुछ निर्णायक कदम उठाने ही होंगे। संघ अपनी भूमिका वही मानता है जो श्रीकृष्ण ने महाभारत में निभायी थी। संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर से जब यह पूछा गया कि क्या संघ सत्ता चाहता है तो उन्होंने कहा था, 'हमारा आदर्श श्रीकृष्ण हैं, जिनकी मुट्ठी में एक पूरा साम्राज्य था, पर जिन्होंने सत्ता हाथ में लेने से इनकार कर दिया था।' आरएसएस आज भी वही भूमिका निभाना चाहता है, लेकिन यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि गुरु गोलवलकर ने यह बात लगभग 75 साल पहले कही थी। तब से लेकर अब तक बहुत कुछ बदल चुका है।

फिर भी, भाजपा वर्तमान सरसंघचालक की बातों की अवहेलना नहीं कर सकती। भाजपा के नेतृत्व को यह समझना होगा कि विपक्ष दुश्मन नहीं होता, कि जनतांत्रिक व्यवस्था में अहंकार के लिए कोई स्थान नहीं है, कि कोई अपने आप को सर्वोपरि मानकर देश का नेतृत्व नहीं कर सकता। आज भी विश्व-व्यवस्था में भारत जैसे बड़े देश का अपना महत्व है। आजादी मिलने के बाद से ही विश्व भारत की ओर आशाभरी निगाहों से देखता आ रहा है। हमारी गुट-निरपेक्षता की नीति कई बार अपना महत्व रेखांकित कर चुकी है। आज भी प्रधानमंत्री से अपेक्षा की जा रही है कि वे दुनिया पर गहराते युद्ध के बादलों को दूर करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। रूस और यूक्रेन में चल रहा युद्ध हो अथवा इस्राइल-फलस्तीन की लड़ाई, भारत की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। प्रधानमंत्री इस दिशा में सक्रिय दिखाई भी दे रहे हैं, पर यह कार्य मणिपुर जैसे राज्य की अवहेलना करके नहीं होना चाहिए।

बरसात में बच्चों का रखें ख्याल
नहीं तो पड़ेंगे बार-बार बीमार

मच्छरों से दूर रखें

मच्छर के काटने से नवजात शिशु को गंभीर परेशानियां हो सकती हैं, जिससे उनके शरीर पर रेडनेस और सूजन भी हो सकती है। ऐसे में बच्चे के मच्छरदानी में रखें, जिससे वे अच्छी और भरपूर नींद सो सकें। वहीं शाम के वक्त उन्हें पूरी तरह से ढके हुए कपड़े पहनाएं। अगर आपके पास मच्छरों को भगाने के लिए कोई नेचुरल रेमेडी है, तो उसका भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

बीमारियों को नजरअंदाज न करें

बुखार, शारीरिक दर्द, छींक आना और अन्य लक्षण मानसून से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं। इसके अलावा इस मौसम में वायरल इंफेक्शन होने का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे कोई भी लक्षण नजर आने पर सीधे अपने डॉक्टर से संपर्क करें और बीमारी से लड़ने के लिए उचित सावधानी बरतें, भले ही यह शुरुआती दौर में ही क्यों न हों।

बारिश से बचाएं

कोशिश करें कि अपने बच्चे को बारिश में भीगने से बचाएं। इसके लिए छाते, रेनकोट और रेन बूट जैसी आजमाई हुई चीजें आपके काम आ सकती हैं। बच्चों को बाहर ले जाने से पहले ध्यान दें कि उनके पास सभी आवश्यक चीजें हैं। बरसात के मौसम के दौरान, तापमान में भी तेजी से गर्माहट और ठंडक का अनुभव होता है। वहीं नमी से बचने के लिए बच्चों को आरामदायक सूती कपड़े पहनाएं, लेकिन जब मौसम ठंडा हो जाए, तो उन्हें थोड़े मोटे कपड़े पहनाएं। ध्यान रखें कि बच्चे के कपड़े पूरी तरह सूखे हों क्योंकि बरसात के मौसम में कपड़े नमी सोख लेते हैं, जिससे फंगल इंफेक्शन हो सकता है।

बच्चे को कब नहलाएं?

बड़ों की तरह बच्चों को रोजाना नहाने की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि वे अपना अधिकांश समय घर के अंदर ही बिताते हैं। ऐसे में मानसून सीजन में बच्चे को हफ्ते में दो से तीन बार नहलाना काफी होगा। खासकर उमस भरे मौसम में, गर्मी से राहत दिलाने के लिए यह काफी होगा। लेकिन अगर आप बच्चे को बाहर लेकर गए हैं, तो उसे गुनगुने पानी से नहलाएं। बचपन की अधिकांश यादें बारिश में खेलने और कागज की नाव चलाने से बनती है। इसलिए उनकी यादों को बनने से रोकना नहीं है बल्कि सही देखभाल के जरिए उन्हें बरसात के मौसम का अधिकतम लाभ उठाने देना है।

मानसून बहुत जल्द दस्तक देने जा रहा है, जो धीरे-धीरे गर्मी का प्रचंड रूप शांत करके लोगों को राहत दिलाएगा। वहीं, गर्मी से बेहाल लोग भी बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, यह मौसम दूसरों के लिए जितना सुकून लेकर आएगा, नए माता-पिता के लिए उतनी ही परेशानियां क्योंकि मानसून का महीना केवल बारिश ही नहीं बल्कि बीमारी के लिए भी मशहूर है। ऐसे में नए पेरेंट्स अपने बच्चे का ख्याल कैसे रखें यह सबसे बड़ा सवाल है।

डायपर गीला न रहे

बरसात के मौसम में बच्चे को एक मिनट के लिए भी गीला डायपर न पहनने दें। सर्द या बरसात के दिनों में बच्चे अन्य मौसमों की तुलना में अधिक पेशाब करते हैं, जिससे उनकी स्किन पर रैशेज हो सकते हैं। इसके अलावा इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है और उन्हें ठंड भी लग सकती है। इसलिए, याद रखें कि जैसे ही आपको लगे कि आपके बच्चे की नैपी गीली या गंदी हो गई है, तो उसे तुरंत बदल दें।

बीमारी से कैसे बचाएं?

बारिश के मौसम में पानी से होने वाले संक्रमण का खतरा काफी बढ़ जाता है, ऐसे में बच्चों के बीमार पड़ने की संभावना भी अधिक रहती है। इसलिए पहली बार माता-पिता बने कपल को अपने बच्चे को मानसून में स्वस्थ्य रखने के लिए अधिक सावधानी बरतने की जरूरत होती है। इसके लिए आदतों में कुछ बदलाव और थोड़ी सावधानी आपका काम काफी आसान कर सकती है।

हंसना मना है

एक सुंदर औरत क्रिकेट का मैच देख रही थी और चेहरे पर इंडिया के झंडे का नक्शा था, एक बजुर्ग पास आया और उसके चेहरे को चूम कर बोला कितना सुंदर है मेरा भारत?

प्लम्बर: सर, नल ठीक हो गया लेबर चार्ज 800 रुपये.. इंजीनियर: अरे, 1 घंटे की इतनी फीस तो मेरी भी नहीं है! प्लम्बर: सर, जब मैं इंजीनियर था तो मेरी भी नहीं थी!

ज्योतिषी: तुम्हारा नाम कविता है? जी महाराज, ज्योतिषी: पति का नाम रितेश है? कविता : जी, कविता : जी.. ज्योतिषी : तेरे दो लड़के और एक लड़की है? कविता: बिलकुल सही, ज्योतिषी : बड़े लड़के का नाम ऋषिकांत और छोटे का राजू है, कविता: हां में गर्दन हिलाती है, ज्योतिषी : ऐश्वया15 साल की है, कविता: जी बिलकुल सही बता रहे हैं, ज्योतिषी : तूने कल 25 किलो गेहूं खरीदे हैं? कविता: आप तो पूरे अंतरयामी हैं, ज्योतिषी: अगली बार कुंडली लाना राशन कार्ड नहीं?

पत्नी ने तुनककर कहा-'जब अक्ल बंट रही थी, तो उस वक्त तुम कहां थे?'' प्रिये, उसी वक्त तो हमारे-तुम्हारे फेरे हो रहे थे।' पति ने तपाक से जवाब दिया।

कहानी | जीवन के बाद का प्रकृति नियम

एक बार नारद जी ने भगवान से प्रश्न किया कि प्रभु आपके भक्त गरीब क्यों होते हैं? तो भगवान बोले कि नारद जी मेरी कृपा को समझना बड़ा कठिन है। इतना कहकर भगवान नारद के साथ साधु भेष में पृथ्वी पर पधारे और एक सेठ जी के घर भिक्षा मांगने के लिए दरवाजा खटखटाने लगे। सेठ जी बिगड़ते हुए दरवाजे की तरफ आए और देखा तो दो साधु खड़े हैं। भगवान बोले कि भैया ! बड़े जोरों की भूख लगी है। थोड़ा सा खाना मिल जाएगा। सेठ जी बिगड़कर बोले कि तुम दोनों को शर्म नहीं आती। तुम्हारे बाप का माल है? कर्म करके खाने में शर्म आती है, जाओ-जाओ किसी होटल में खाना मांगना। नारद जी बोले- देखा प्रभु ! यह आपके भक्तों और आपका निरादर करने वाला सुखी प्राणी है। इसको अभी शाप दीजिये। नारद जी की बात सुनते ही भगवान ने उस सेठ को अधिक धन सम्पत्ति बढ़ाने वाला वरदान दे दिया। इसके बाद भगवान नारद जी को लेकर एक बुढ़िया मैया के घर में गए। जिसकी एक छोटी सी झोपड़ी थी, जिसमें एक गाय के अलावा और कुछ भी नहीं था। जैसे ही भगवान ने भिक्षा के लिए आवाज लगायी, बुढ़िया मैया बड़ी खुशी के साथ बाहर आयी। दोनों सन्तों को आसन देकर बिठाया और उनके पीने के लिए दुध लेकर आयीं और बोली- प्रभु मेरे पास और कुछ नहीं है, इसे ही स्वीकार कीजिये। भगवान ने बड़े प्रेम से स्वीकार किया। तब नारद जी ने भगवान से कहा- प्रभु आपके भक्तों की इस संसार में देखो कैसी दुर्दशा है, मेरे पास तो देखी नहीं जाती। यह बेचारी बुढ़िया मैया आपका भजन करती है और अतिथि सत्कार भी करती है। आप इसको कोई अच्छा सा आशीर्वाद दीजिए। भगवान ने थोड़ा सोचकर उसकी गाय को मरने का अभिशाप दे डाला। यह सुनकर नारद जी बिगड़ गए और कहा- प्रभु जी! यह आपने क्या किया? भगवान बोले- यह बुढ़िया मैया मेरा बहुत भजन करती है। कुछ दिनों में इसकी मृत्यु हो जाएगी और मरते समय इसको गाय की चिन्ता सताएगी कि मेरे मरने के बाद मेरी गाय को कोई कसाई न ले जाकर काट दे, मेरे मरने के बाद इसको कौन देखेगा? तब इस मैया को मरते समय मेरा स्मरण न होकर बस गाय की चिन्ता रहेगी और वह मेरे धाम को न जाकर गाय की योनि में चली जाएगी। उधर सेठ को धन बढ़ाने वाला वरदान दिया कि मरने वक्त धन तथा तिजोरी का ध्यान करेगा और वह तिजोरी के नीचे सांप बनेगा। प्रकृति का नियम है जिस चीज में अति लगाव रहेगा यह जीव मरने के बाद बही जनम लेता है और बहुत दुख भोगता है, अत: अपना चिंतन प्रभू की तरफ अधिक रखे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
अपनी कीमती वस्तुएं आज संभालकर रखें। गृहिणियां सावधानी रखें, घरेलू कामकाज में चोट लग सकती है। सोचे अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृषभ
आज आपका कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घरेलू कार्य समय पर होंगे। सुख-शांति बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी।

मिथुन
व्यापार में बड़ा धनलाभ होने के योग हैं। भूमि व भवन के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कर्क
व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे।

सिंह
व्यवसाय-व्यापार लाभदायक रहेगा। पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। आय में निश्चितता रहेगी।

कन्या
व्यापार में थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। निवेश में विवेक का प्रयोग करें। धनार्जन होगा। लापरवाही न करें।

तुला
आज अधिक थकान महसूस होगी। शारीरिक आराम की आवश्यकता रहेगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक
आज अप्रत्याशित धनलाभ के योग हैं। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें। शरीर साथ नहीं देगा।

धनु
अपनी कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेगी। तनाव रहेगा। कुसंगति से हानि होगी। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें।

मकर
आज व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। घर-बाहर कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे।

कुम्भ
व्यापारिक योजना में परिवर्तन हो सकता है। नौकरी में कार्यप्रणाली में सुधार होगा। अचानक लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

मीन
व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल होगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार में अनहोनी की आशंका रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

नेपोटिज्म के कारण मेरे हाथ से छूटीं कई फिल्में : रकुलप्रीत

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बी-टाउन के पावर कपल में से एक है। फैंस को इनकी जोड़ी बेहद पसंद है। अभिनेत्री अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहती है। अब रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में नेपोटिज्म की बहस के बारे में अपनी राय साझा की है और कहा है कि इसके चलते अभिनेत्री ने कुछ प्रोजेक्ट्स भी खो दिए हैं। रकुल प्रीत सिंह ने 2014 की फिल्म यारियां से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। उन्होंने दे दे प्यार दे, रनवे 34, डॉक्टर जी, थैंक गॉड और छतरीवाली जैसी हिंदी फिल्मों में काम किया है। रकुल अब अजय देवगन और आर माधवन के साथ दे दे प्यार दे 2 की तैयारी कर रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में भाई-भतीजावाद के बारे में बात की और चर्चा की कि उन्हें अपने करियर में फिल्में खोने पर दुख क्यों नहीं होता। रणवीर शो में रकुल प्रीत सिंह ने नेपोटिज्म पर अपनी राय व्यक्त की और स्वीकार किया कि उन्होंने फिल्में खो दी हैं। रकुल ने याद किया कि जब वह सेना में शामिल होना चाहती थी, तो उनके पिता अपना अनुभव साझा करते थे। अभिनेत्री को कड़वाहट पसंद नहीं है क्योंकि उनका मानना है कि वे प्रोजेक्ट उनके लिए नहीं थे। रकुल ने कहा, मुझे सेना में जाना था, मेरे पिताजी मुझसे अपने अनुभव साझा करते थे। इसलिए भाई-भतीजावाद, मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचती। हां, ये होता है, फिल्में ली गई हैं, लेकिन मैं ऐसी इंसान नहीं हूं, जो कड़वा होकर बैठ जाएगी। हो सकता है कि यह मेरे लिए नहीं था। अभिनेत्री ने आगे बताया कि अवसर खोना तय है और आप तभी आगे बढ़ सकते हैं, जब आप इसे समझेंगे। रकुल ने मेडिकल इंडस्ट्री का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर कोई डॉक्टर बोर्ड में शामिल नहीं हो पाता है और किसी और को वहां भेजा जाता है, तो यह जीवन का एक हिस्सा है।

पिता की मौत के बाद मलाइका ने लिखा भावुक पोस्ट, कहा- वो हमारे बेस्ट फ्रेंड थे

बॉलीवुड | यादें

मलाइका अरोड़ा के पिता अनिल मेहता के सुसाइड के बाद एक्ट्रेस का परिवार और जानने वाले एक-एक कर घटनास्थल पर पहुंचे। वहीं, अब पिता की मौत के बाद मलाइका अरोड़ा ने पहला पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपने पिता को लेकर भावुक पोस्ट लिखा है।

मलाइका अरोड़ा के पिता के मौत की वजह अपने घर की छत से कूदकर सुसाइड करना बताया जा रहा है। मौके पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस की टीम ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में बताया कि पृथम दृष्यता मामला आत्महत्या का लग रहा है। हालांकि, उनके पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। इस मामले में उनकी टीम मामले की बारीकी से जांच करेगी। पिता की मौत की जानकारी मिलते ही मलाइका आनन-फानन और जल्दबाजी में घटनास्थल पर पहुंची थीं। इस दौरान उनके आंसू भी छलके। वहीं, अब एक्ट्रेस ने पिता की मौत के बाद पहला पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि उनके पिता बेस्ट फ्रेंड की तरह थे।

मलाइका ने लिखा, हमे अपने पिता अनिल मेहता के निधन की जानकारी देते हुए अत्यंत दुख हो रहा है। वह बहुत अच्छे, प्यारे पति और हमारे बेस्ट फ्रेंड थे। हमारा परिवार उनके निधन से सदमे में है, इसलिए हम अनुरोध करते हैं कि दुख की इस घड़ी में मीडिया और हमारे वेल-विशर्स हमें थोड़ी प्राइवेसी दें। आपकी समझदारी, सपोर्ट और इज्जत की हम सराहना करते हैं।

मलाइका के इस पोस्ट पर कई सेलेब्स और फैंस ने रिएक्ट किया है। बता दे कि जैसे ही एक्ट्रेस के पिता की मौत की खबर सामने आई, एक-एक कर फिल्म इंडस्ट्री के लोगों ने घटनास्थल पर पहुंचना शुरू कर दिया। दुख की इस घड़ी में मलाइका और उनके परिवार को सांत्वना देने अरबाज खान भी पहुंचे थे। उनके अलावा खान परिवार से सलीम, सोहेल, सलमा और अरहान भी देखे गए। यहां तक कि हेलेन भी मलाइका के परिवार से मिलने पहुंची थीं।

रोहन प्रीत सिंह का नया गाना 'काला माल' मचा रहा धमाल

बी टू गेदर प्रोस यानी महि संधू और जोगी संधू ने एक बार फिर अपनी निर्देशन की छाप छोड़ी है। उनका नया गाना 'काला माल' रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। इस म्यूजिक वीडियो में पंजाबी सिंगर रोहनप्रीत सिंह और सना मकबूल नजर आ रहे हैं। इस गाने के बोल रईस ने लिखे हैं और म्यूजिक भी रोहन प्रीत सिंह और रईस ने मिलकर कंपोज किया है।

दर्शकों के बीच अपनी अनूठी कहानी कहने की क्षमता के लिए मशहूर B2Gether Pros ने भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री को नया आयाम दिया है। महि संधू और जोगी संधू ने पहले भी कई बड़े नामों के साथ काम किया है, जिनमें बादशाह, इमरान हाशमी, जैकलीन फर्नांडीस, मृणाल ठाकुर और अन्य शामिल हैं। आंखों को भाने वाली सिनेमैटोग्राफी और दिलचस्प कहानी कहने की कला ने उन्हें उन कलाकारों के लिए जाना-पहचाना बना दिया है जो अपने म्यूजिक वीडियो को ऊंचाई पर ले जाना चाहते हैं। रोहन प्रीत सिंह और सना मकबूल का गाना 'काला माल' रिलीज के बाद से ही यूट्यूब पर ट्रेंड कर रहा है। ये गाना 22 नंबर पर ट्रेंड कर रहा है। सना मकबूल संग रोहन प्रीत की जोड़ी को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। इस पर कमेंट करते हुए फैंस ने लिखा, 'सना ने वीडियो ने चार चांद लगा दिया है'।

महि संधू और जोगी संधू, जो B2Gether Pros के नाम से जाने जाते हैं, आज भारत के प्रमुख म्यूजिक वीडियो निर्देशकों में शामिल हैं। पंजाबी म्यूजिक से शुरू कर चुके ये निर्देशक कई भाषाओं और शैलियों में शीर्ष कलाकारों के साथ काम कर चुके हैं। 'पानी पानी' जिसमें जैकलीन फर्नांडीस और बादशाह ने अभिनय किया, 'इश्क नहीं करते' जिसमें इमरान हाशमी और बी प्राक थे, और 'ओ सजना' जिसमें बादशाह और डिवाइन थे, जैसी हिट्स के साथ B2Gether Pros ने लाखों व्यूज और व्यापक प्रशंसा प्राप्त की है।

अजब-गजब | तोते जैसी चोंच, मोहक रंगों की होती है ये मछली

खुद का रंग बदलने में माहिर है ये मछली

कहा जाता है कि अगर आपको रंग बहुत पसंद हैं तो समुद्री जीवन में जाइए। यहां के जीवों में रंगों का हैरान करने वाला संयोजन दिखाई देता है। यहां आपको ऐसे रंग बिरंगे जीव जंतु देखने को मिलते हैं, जिन्हें देख कर भी यकीन करना मुश्किल हो जाता है। इन्हीं में से एक पैरेटफिश या तोता मछली भी है। पानी में रहने और इसके आकार की वजह से ही ये मछली लगती हैं, वरना इनके रंग और चोंच जैसे मुंह के कारण इन्हें ये नाम मिला है। तोता मछली कोरल रीफ आवास में रहती हैं। उथले पानी की इस मछली की 80 प्रजातियां मिलती हैं। इनमें से अधिकांश प्रशांत महासागर में पायी जाती है। वयस्क मछली की लंबाई 4 फुट तक चली जाती है।

कोरल और उस पर जमा हुआ शैवाल या काई उनका मुख्य भोजन है, जिसे खाने में उनकी मजबूत चोंच मददगार रहती है। तोता मछली अपनी मर्जी से रंग बदल सकती है। वे अपने आस-पास के माहौल में घुलमिल जाने, किसी की नजर में न आने के लिए अलग-अलग पैटर्न अपना सकती हैं। सच तो यह है कि इनकी पहचान करना काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है वे विकास के तमाम चरणों से गुजरते हुए अपने आकार, रंग और चिह्नों में काफ़ी बदलाव करती हैं। बचन में वे शर्मीली और

विवेकशील छोटी मछली की तरह होती हैं। फिर उनके चमकीले रंगों की शुरुआत होती है जो बाद में सबसे रंग बिरंगी और चमकीली मछली बन जाती हैं। हालांकि पहली नजर में तोता मछली के दांत बहुत मजबूत नहीं लगते, लेकिन वे दुनिया के सबसे मजबूत दांतों में से एक हैं। ये दांत दुनिया के सबसे मजबूत बायोमिनरल में से एक फ्लोरापेटाइट से बने हैं। वे न केवल चांदी या सोने से ज्यादा सख्त होते हैं बल्कि बहुत ज्यादा दबाव भी झेल सकते हैं पास बहुत सारे मजबूत दांत भी हैं। हर तोता मछली में 1,000 दांतों की लगभग 15 पंक्तियां होती हैं जो एक आकार में एक साथ जुड़ी होती हैं जो उनके ट्रेडमार्क चोंच का निर्माण करती हैं। ये भूखी मूंगा-चबाने वाली मछलियां रोजाना इतना मूंगा खाते हैं कि वे बहुत अधिक मल भी बनाते हैं। मल त्याग के दौरान जो कुछ बचता है वह रेत है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि एक बड़ी तोता मछली में एक साल में सैकड़ों किलो रेत निकाल सकती है।

तोता मछली का मल स्वस्थ मूंगा चट्टान आवासों के रखरखाव में अहम भूमिका निभाता है, पोषक तत्वों को पूरा करता है और साथ ही शैवाल की वृद्धि को भी काबू में रखता है। कुछ तोता मछलियों का अपने गिल्स या गलफड़ों से निकलने होने वाले बलगम के साथ एक विशेष संबंध होता है, जिसे वे सचमुच रात में खुद को लपेटने के लिए एक चिपचिपा कोकून बनाते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया है कि यह व्यवहार एक तरह से सुरक्षात्मक तंत्र के रूप में काम करने के लिए है, जो उन्हें परजीवियों से बचाता है और शिकारियों से उनकी गंध को छुपाता है। तोता मछली का रंग कितना आकर्षक होता है। कुछ तोता मछलियों के लिए, उनके रंग तब भी बदलते हैं जब वे मादा से नर में सेक्स बदल लेती हैं, जिसे प्रोटोगिनस हेर्मैप्रोडिटिज्म कहा जाता है। तोता मछली महासागर में ऐसा करने वाली एकमात्र पशु प्रजाति नहीं है। लिंग बदलने से हार्मोन की वजह से इनका रंग संयोजन भी बदल जाता है।

अजूबा है ये गैलरी, कहीं भी खड़े हो जाइए सुनाई दे जाएगी फुसफुसाहट की भी आवाज

न्यूयॉर्क शहर के चहल-पहल भरे ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल के भीतर व्हिस्परिंग गैलरी है, जो एक अनोखी फुसफुसाहट वाली खूबी के लिए खास तौर से जाना जाता है। टर्मिनल के निचले स्तर पर ऑयस्टर बार रेस्तरां के पास स्थित, यह स्थान फुसफुसाहट को पूरे कमरे में फैलने देता है। इससे दो लोग विपरीत कोनों पर एक-दूसरे को साफ साफ सुन सकते हैं। यात्रियों की दैनिक भीड़ के बावजूद, जो लोग इस चमत्कार को देखने के लिए एक पल निकालते हैं, उन्हें एक कभी ना भुला पाने वाला अनुभव मिलता है। अगर आप केवल ग्रांड सेंट्रल टर्मिनल को ही वास्तुकला और इतिहास का एक चमत्कार मानते हैं। तो आपको इसके व्हिस्परिंग गैलरी के बारे में जरूर जानना चाहिए। आपको जानकर हैरान होगी की लोग अमूमन टर्मिनल की खूबसूरती औरअनोखे वास्तुशिल्प के लिए ही आते हैं और गैलरी पर ध्यान नहीं देते हैं। यहां तक कि यात्री भी से अनदेखा करते है और सभी स्थानीय लोगों को भी इसके बारे में पता नहीं है। लेकिन जो लोग इसके बारे में जरा भी जानते हैं, उस का पता लगाने के लिए समय निकालते हैं। राफेल गुआस्ताविनो और उनके बेटे द्वारा डिजाइन की गई, गैलरी के निचले सिरेमिक मेहराब इसे आवाज का अजूबा बनाते हैं। गैलरी में विशिष्ट टाइल कार्य को गुस्ताविनो टाइल के रूप में जाना जाता है, जिसका नाम स्पेनिश टाइल कार्यकर्ता गुस्ताविनो की पेटेंट सामग्री और विधियों के कारण रखा गया है। उनके सूक्ष्म कार्य और हेरिंगबोन पैटर्न की प्रशंसा यहां और शहर में अन्य स्थानों पर की जा सकती है। यदि आप और आपका यात्रा साथी मेहराबदार प्रवेश द्वार के विपरीत कोनों पर खड़े हों, दीवारों की ओर मुंह करके खड़े हों और सामान्य रूप से बात करें, तो आप एक-दूसरे को ऐसे सुन पाएंगे जैसे कि आप एक-दूसरे के ठीक बगल में खड़े हों। इसकी खूबसूरती और अंतरंग फुसफुसाहट को व्यक्त करने की इसकी क्षमता को देखते हुए, यह जानकर कोई आश्चर्य नहीं होता कि गैलरी को विवाह प्रस्तावों के लिए एक लोकप्रिय स्थान कहा जाता है। वास्तव में, एक लोकप्रिय लेकिन शायद अपुष्ट कहानी कहती है कि प्रतिष्ठित जैज संगीतकार चार्ल्स मिंगस ने 1966 के आसपास फुसफुसाहट गैलरी में अपनी मंगेतर को प्रपोज किया था। फुसफुसाती हुई गैलरी सिर्फ ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल तक ही सीमित नहीं हैं। वे दुनिया भर में मौजूद हैं। उल्लेखनीय उदाहरणों में लंदन में सेंट पॉल कैथेड्रल का गुंबद शामिल है जहां ताली बजाने पर उसकी चार प्रतिध्वनियां पैदा होती हैं। इसके अलावा भारत के बीजापुर में गोल गुंबज मकबरा और बीजिंग में स्वर्ग के मंदिर की इको वॉल हैं में इस तरह का प्रभाव देखा जाता है। ऐसी और भी मिसालें देखने को मिलती हैं।

महिला सुरक्षा में भाजपा पूरी तरह से विफल : राहुल गांधी

» मोदी सरकार में सेना की अधिकारी भी सुरक्षित नहीं : प्रियंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। इंदौर के पास महू में हुई गैंगरेप की घटना ने देश में राजनीतिक भूचाल ला दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस की महासचिव प्रियंका और बसपा सुप्रीमो मायावती समेत सभी विपक्षी पार्टियों ने भाजपा सरकार को जमकर घेरा है। इन नेताओं कहा है कि महिला सुरक्षा के मामले में भाजपा पूरी तरह से विफल है। न तो कानून व्यवस्था है न ही जनता की कहीं सुनवाई है।

मध्य प्रदेश में सेना के दो जवानों के साथ हिंसा और उनकी महिला साथी के साथ दुष्कर्म पूरे समाज को शर्मसार करने के लिए काफी है। भाजपा शासित राज्यों की कानून व्यवस्था लगभग अस्तित्वहीन है। महिलाओं के खिलाफ़ दिन प्रतिदिन बढ़ते अपराधों पर भाजपा सरकार का नकारात्मक रवैया अत्यंत चिंताजनक अपराधियों की ये निर्भीकता प्रशासन की पूर्ण नाकामी का परिणाम है और इस कारण देश में पनपता असुरक्षित वातावरण भारत की बेटियों की स्वतंत्रता, उनकी आकांक्षाओं पर बंदिश है। समाज और सरकार दोनों शर्मिंदा हों। देश की आधी आबादी की रक्षा की ज़िम्मेदारी से कब तक आंख चुराएंगे। दरअसल इंदौर में पर्यटक स्थल जामगेट पर अपनी महिला मित्रों के साथ देर रात आर्मी के अधिकारी घूमने आए थे। यहां पर शूटिंग रेंज भी है जहां सभी आपस में बैठकर बातें कर रहे थे। तभी कुछ बदमाश आए और सभी को बंधक बना लिया। इसके बाद सेना के अधिकारियों की जमकर पिटाई की। एक अफसर व एक युवती को बंधक बना लिया और साथी अफसर के साथ एक युवती को छोड़ दिया। इन्हें बोला कि 10 लाख रुपए लेकर आओ तभी इन दोनों को छोड़ेंगे। बदमाशों के चंगुल से छुटकर आए अधिकारी और महिला ने अपनी ही आर्मी यूनिट और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचते ही बदमाश दोनों बंधक को छोड़कर भाग निकले। जिस महिला मित्र को बंधक बनाया था उसके साथ गैंगरेप की आशंका है। घायल सेना के अधिकारियों और महिला मित्रों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना मंगलवार देर रात 2.30 बजे घटी थी। बुधवार शाम को महिलाओं को होश आया। ग्रामीण एसपी हितिका वासल के अनुसार आर्मी के अधिकारियों के बयान के आधार पर लूट, मारपीट, फिरौती व सामूहिक दुष्कर्म की आशंका में केस दर्ज किया है।

जघन्य घटनाओं को गंभीरता से लें सरकारें : मायावती

मध्यप्रदेश के इन्दौर में पर्यटक स्थल जामगेट में घूमने गए सेना के दो अफसरों पर हमला, उन्हें बंधक बनाना तथा उनकी महिला मित्रों के साथ दुष्कर्म की घटना अति-शर्मनाक। सरकारें द्वारा लगातार हो रही ऐसी जघन्य घटनाओं को उसकी गंभीरता से नहीं लेने से ही स्थिति बेकाबू। सरकार ध्यान दे।

एक राजनीतिक दल के कुछ लोग खास धर्म को बना रहे निशाना : अजित

» डिप्टी सीएम ने इशारों-इशारों में बीजेपी पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इशारों-इशारों में भाजपा पर ही निशाना साधते हुए कहा कि एक पार्टी के कुछ लोग एक खास समुदाय को निशाना बनाकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ऐसी भाषा का कड़ा विरोध करती है। अजित पवार जाहिर तौर पर बीजेपी विधायक नितेश राणे का जिक्र कर रहे थे, जिन्होंने हाल ही में एक सभा में यह कि सभा में मौजूद लोगों को केवल हिंदुओं के साथ ही व्यापारिक लेन-देन करना चाहिए।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि आज एक राजनीतिक दल के कुछ लोग एक खास समुदाय और धर्म को निशाना बनाकर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। हम ऐसी भाषा का समर्थन नहीं करते और इसका कड़ा विरोध करते हैं। इस तरह की आपत्तिजनक भाषा समाज में दरार पैदा करती है। अजित पवार ने वहां उपस्थित लोगों से मतदान करते समय भावनात्मक न होने का अनुरोध किया और उनका समर्थन मांगा। अजित पवार ने कहा कि पिछले 34 सालों से लोगों की सेवा किए जाने के बावजूद उन्हें अब तक सर्वश्रेष्ठ भाषण के लिए या सर्वश्रेष्ठ सांसद का पुरस्कार नहीं मिला है।

जवाहर सरकार ने राज्यसभा से भी दिया इस्तीफा

» उपराष्ट्रपति को सौंपा इस्तीफा, टीएमसी को पहले ही कह चुके हैं अलविदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद की गई हत्या के विरोध में टीएमसी सांसद जवाहर सरकार ने पार्टी से इस्तीफा देने के बाद अब राज्यसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया। उन्होंने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंपा।

गौरतलब है कि सीएम ममता समेत पार्टी के दिग्गज नेताओं ने जवाहर को इस्तीफा नहीं देने के लिए मनाने की कोशिश की। सरकार के इस्तीफे को टीएमसी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

सरकार बोले- अब मैं बोलने और लिखने के लिए स्वतंत्र हूं

इस्तीफा सौंपने की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए जवाहर सरकार ने लिखा कि सर, मेरा समय समाप्त हो गया। आज संसद भवन में उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति को सांसद के रूप में अपना इस्तीफा सौंप दिया। अब मैं बोलने और लिखने के लिए स्वतंत्र हूं। अब मैं तानाशाही, सांप्रदायिकता और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी लड़ाई को और मजबूत करूंगा। नौकरशाह से राजनीतिज्ञ बने सरकार की बतौर ईमानदार और बेबाक नेता के रूप में राज्य में काफी प्रतिष्ठा है। उन्होंने न सिर्फ प्रशिक्षु महिला चिकित्सक मामले में सीएम की भूमिका पर सवाल उठाए, बल्कि राज्य सरकार और पार्टी में बढ़ते भ्रष्टाचार को लेकर भी लगातार निशाना साधा है।

सपा हमेशा अपराधियों के साथ खड़ी रही

» डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बोले- हमारी सरकार में कानून व्यवस्था चुस्त हुई है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने फर्जी एनकाउंटर को लेकर हमला बोलने पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। डिप्टी सीएम पाठक ने सुल्तानपुर डकैती प्रकरण पर सपा प्रमुख के बयान को लेकर आईना दिखाते हुए कहा कि अपराधी की कोई जाति नहीं होती है। पाठक ने पूछा कि अब अखिलेश यादव बताएं मंगेश अपराधी था कि नहीं। वह किसी अपराधी को लेकर भला कैसे प्रेस कॉन्फ्रेस कर सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि जबसे उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है तब से कानून व्यवस्था चुस्त और अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं। सुल्तानपुर में ज्वेलर्स के यहां हुई दिनदहाड़े डकैती में सपा समेत विपक्षी पार्टियों के लोग डकैतों के संरक्षण का काम कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सुल्तानपुर की घटना में सरकार ने गंभीरता से जांच कराई है। तथ्यों पर जानकारी एकत्र की है, जो लोग वांछित थे सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन निकाल, वांछित लोगों की पहचान कर कार्रवाई की। सुल्तानपुर की घटना हो या प्रदेश की अन्य घटना, समाजवादी पार्टी हमेशा अपराधियों के समर्थन में रही है। जिसके यहां अपराध हुआ उस ज्वेलर्स के समर्थन समाजवादी पार्टी के मुखिया की तरफ से एक भी शब्द नहीं निकले। समाजवादी पार्टी अपराधियों के साथ खड़ी रहती है। जिस बेटी के साथ रेप हुआ है, सपा उसकी बजाय अपराधियों के साथ खड़ी नजर आयी।

सुल्तानपुर घटना की सरकार ने गंभीरता से जांच कराई

अपराधी की कोई जाति नहीं होती

डिप्टी सीएम ने कहा कि सुल्तानपुर घटना में वांछित अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। मुठभेड़ के दौरान अपराधी के एनकाउंटर पर अब समाजवादी पार्टी जाति के आधार पर उसके समर्थन में जुट गई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है कि अपराधी अपराधी होता है, अपराधी कोई जाति नहीं होती। हमारे साथ सर्व समाज के लोग जुड़े हुए हैं। घटना में वांछितों के घर से लूट का 2.5 किलो से अधिक सोना बरामद हुआ। जनता जानती है कि समाजवादी पार्टी की जब-जब सरकार रही है, अपराधियों को पुष्पित पल्लवित करती रहती है।

सीजेआई के घर पीएम की गणेश आरती पर भारी हंगामा

» विपक्ष ने उठाए सवाल भाजपा का भी पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के यहां जाकर भगवान गणेश की आरती की। इस पर भारी विवाद खड़ा हो गया है। कुछ लोग इसे न्यायपालिका की पवित्रता पर दाग की तरह देख रहे हैं तो एक वर्ग विरोधियों की बौखलाहट देख खुशी का इजहार कर रहा है। जस्टिस चंद्रचूड़ देश के सर्वोच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस हैं। यह न्यायपालिका का सर्वोच्च पद है।

दूसरी तरफ प्रधानमंत्री कार्यपालिका के शीर्ष पदों में से एक पर विराजमान हैं। ऐसे में जब सीजेआई का न्योता पीएम को जाएगा तो उन्हें ठुकराने की कम ही गुंजाइश रहती है। संभवत: इसी वजह से प्रधानमंत्री ने सीजेआई के यहां जाना वाजिब समझा और गए भी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए खुद इसकी जानकारी भी दी। उन्होंने एक एक्स पोस्ट में गणेश आरती की तस्वीर साझा की। पीएम ने लिखा, सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रूचूड़ जी के घर पर गणेश पूजा में शामिल हुआ। भगवान श्री गणेश हम सभी को सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।

सीजेआई को राजनीति में घसीटना कांग्रेस का अहंकार : पात्रा

बीजेपी नेता संबित पात्रा ने कहा नेता प्रतिपक्ष अहंकार में आ गए हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि अमेरिका में तो भारत को वह बदनाम करते ही हैं भारत में हर चीज में राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का अहंकार इतना है कि वह सीजेआई की संस्था को राजनीति में घसीटते हैं। उन्हें गणेश उत्सव को भी राजनीति में घसीटने का अहंकार है। बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने राहुल गांधी पर तीखे वार करते हुए उन्हें देशद्रोही तक कह दिया।

जजों की आचार संहिता का उल्लंघन : प्रशांत भूषण

सीजेआई के घर पीएम के जाने पर सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत भूषण ने हैरानी जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, सीजेआई चंद्रचूड़ ने मोदी को निजी मुलाकात के लिए अपने आवास पर आने की अनुमति दी। इससे न्यायपालिका को बहुत बुरा संकेत मिलता है, जिस पर नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है कि सरकार संविधान के दायरे में काम करे। इसलिए कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक दूरी होनी चाहिए। उन्होंने जजों के लिए आचार संहिता का जिक्र कर कहते हैं कि इसका उल्लंघन हुआ है। उन्होंने लिखा, न्यायाधीशों के लिए आचार संहिता एक न्यायाधीश को अपने पद की गरिमा के अनुरूप एक हद तक दूरी बरतनी चाहिए। वो ऐसा कोई कार्य या चूक नहीं करे जो उसके उच्च पद और उस पद के प्रति सार्वजनिक सम्मान के प्रतिकूल हो।

बसपा के लिए बहुजन समाज का हित सर्वोपरि : मायावती

» सपा से गठबंधन टूटने पर पार्टियों के बीच वार-पलटवार जारी

» बसपा सुप्रीमो ने कहा- हमने गठबंधन निभाने का पूरा प्रयास किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी और बीएसपी के बीच 2019 के लोकसभा चुनाव में गठबंधन टूटने की वजह पर अब जुबानी जंग तेज हो गई है। मायावती के आरोपों पर गुरुवार को अखिलेश यादव ने पलटवार किया था। इसके बाद बीएसपी चीफ ने आज फिर पलटवार करते हुए सपा प्रमुख को जवाब दिया। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर आज सोशल मीडिया के जरिए समाजवादी पार्टी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा है।

मायावती ने सोशल मीडिया पर लिखा कि लोकसभा चुनाव-2019 में यूपी में बसपा के 10 व सपा के 5 सीटों पर जीत के बाद गठबंधन

बसपा सैद्धांतिक कारणों से नहीं करती गठबंधन

टूटने के बारे में मैंने सार्वजनिक तौर पर भी यही कहा कि सपा प्रमुख ने मेरे फोन का भी जवाब देना बंद कर दिया था जिसको लेकर उनके द्वारा अब इतने साल बाद सफाई देना कितना उचित व विश्वसनीय? सोचने वाली बात है। बसपा प्रमुख ने आगे लिखा कि बीएसपी सैद्धान्तिक कारणों से गठबंधन नहीं करती है और अगर बड़े उद्देश्यों को लेकर कभी गठबंधन करती है तो फिर उसके प्रति ईमानदार भी जरूर रहती है। सपा के साथ सन 1993 व 2019 में हुए गठबंधन को निभाने का भरपूर प्रयास किया गया, किन्तु बहुजन समाज का हित व आत्म-सम्मान सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि बीएसपी जातिवादी संकीर्ण राजनीति के विरुद्ध है। अतः चुनावी स्वार्थ के लिए आपाधापी में गठबंधन करने से अलग हटकर बहुजन समाज में आपसी भाईचारा बनाकर राजनीतिक शक्ति बनाने का मूवमेन्ट है, ताकि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर का मिशन सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त कर आत्मनिर्भर हो सके।

बोले- अखिलेश की वजह से टूटा गठबंधन

सपा प्रमुख ने नहीं की फोन पर बात : सतीश

सपा व बसपा प्रमुखों के बीच चल रही इस सियासी बयानवाजी में अब बसपा सुप्रीमो के खास और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा भी सियासी मैदान में आ गए हैं। सतीश मिश्रा ने कहा कि मैं सभी को यह अवगत कराना चाहता हूं कि 2019 के लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के गठबंधन टूटने की वजह सपा मुखिया खुद हैं जो बहन कुमारी मायावती ने अपनी पार्टी द्वारा जारी की गई पुस्तक में लिखा है। उन्होंने कहा कि बहन जी के फोन करने के पूर्व मेरे द्वारा फोन करने पर सपा प्रमुख फोन पर नहीं आए, फिर पार्टी कार्यालय से फोन गया और फिर भी फोन पर सपा प्रमुख से बात नहीं करायी गयी। फिर भी बहन जी ने बड़े होने के नाते सपा प्रमुख को फोन कर के हौसला देने की कोशिश की थी, लेकिन वह फोन पर नहीं आए और इस सबका परिणाम यह रहा कि बीएसपी को गठबंधन तोड़ना पड़ा। बीसएपी नेता ने आगे कहा कि सपा प्रमुख का यह व्यवहार समाज के दलितों, वंचितों एवं शोषितों के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने वाला था। बीएसपी सिर्फ वोट ट्रांसफर करवाने के लिए नहीं है। बल्कि देश की एक मात्र ऐसी पार्टी है जो सर्व समाज के हितों में विचार एवं काम करती है। जो लोग इस सम्बन्ध में बहन जी पर टिप्पणी कर रहे वह पहले अपना व्यवहार याद कर ले।

हाईकोर्ट ने भी बुलडोजर एक्शन पर उठाए सवाल

» इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूछा- किस कानूनी प्रक्रिया के चलते गिराया घर

» यूपी सरकार से अदालत ने मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट के बाद अब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए हैं। हाईकोर्ट ने यूपी के आजमगढ़ में कानूनी प्रक्रिया अपनाए बिना बुलडोजर से घर गिराए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई और यूपी सरकार से जवाब तलब किया है। कोर्ट ने पूछा किस कानूनी प्रक्रिया के चलते याचिकाकर्ता के घर को गिराया गया।

सुनवाई का मौका दिए बिना गिरा दिया गया पीड़ित का घर

इलाहाबाद हाईकोर्ट में जस्टिस प्रकाश पड़िया की सिंगल बेंच में इस मामले पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने यूपी सरकार से पूछा, ऐसी कौन सी परिस्थिति थी, जिसके चलते कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना याचिकाकर्ता के घर को गिरा दिया गया। अदालत ने इस मामले में यूपी सरकार से जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले पर अगली सुनवाई 18 सितंबर को होगी। आजमगढ़ के सुनील कुमार ने हाईकोर्ट में बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर याचिका दाखिल की थी। जमीन विवाद को लेकर आजमगढ़ के एडिशनल कलेक्टर ने 22 जुलाई को सुनील कुमार का घर गिराने का आदेश जारी किया। आरोप है कि सुनील कुमार को सुनवाई का कोई मौका दिए बिना जल्द ही उनके मकान पर बुलडोजर चला दिया गया।

मस्जिद के अवैध निर्माण वाले हिस्से को गिराया जाएगा: सीएम सुक्खू

» मस्जिद विवाद को बढ़ता देख मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला मुख्यालय के जेल रोड में बिना नक्शा पास करवाए मस्जिद में किए गए निर्माण कार्य के विरोध में मंडी शहर में हिंदू संगठन प्रदर्शन कर रहे हैं। मंच पर लोगों की ओर से जमकर नारेबाजी की गई। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बाद चौहटा बाजार की तरफ रैली निकाली।

इसके बाद स्कूल बाजार से जेलरोड की तरफ जाते ही प्रदर्शन उग्र हो गया। हिंदू संगठनों की इस रैली के मद्देनजर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार भी की। विवाद को बढ़ता देख सीएम् ने मस्जिद के अवैध निर्माण वाले हिस्से को गिराने का आदेश दे दिया है।

सुप्रीम चौखट पर पहुंचा श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामला

» मुस्लिम पक्ष की याचिका पर 17 सितंबर को होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद अब सुप्रीम चौखट पर पहुंच गया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट अब 17 सितंबर को बेहद अहम सुनवाई करेगा। कोर्ट में होने वाली सुनवाई में यह तय होगा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में मंदिर मस्जिद विवाद का ट्रायल चलता रहेगा या नहीं। शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक अगस्त के फैसले को चुनौती दी है।

हाईकोर्ट में जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने हिंदू पक्ष द्वारा दाखिल किए गए 18 मुकदमों की पोषणीयता को लेकर मुस्लिम पक्ष की याचिका एक अगस्त को खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिकाओं को सुनवाई के लायक माना था और मुस्लिम पक्ष की आपत्ति को खारिज कर दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट के इसी फैसले को शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। मुस्लिम पक्ष ने आर्डर 7 रूल 11 के तहत मुकदमों की पोषणीयता को लेकर सवाल उठाए थे।

हिंदू पक्ष करेगा विरोध

सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पक्ष की यह याचिका सूचीबद्ध हो गई है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की डिवीजन बेंच करेगी। हिंदू पक्षकार सिद्धपीठ माता शाकुंभरी पीठाधीश्वर भृगुवंशी आशुतोष पांडेय के मुताबिक उनकी तरफ से इस मामले में पहले ही कैविएट दाखिल कर दिया गया था। उनका कहना है कि हिंदू पक्षकार सुप्रीम कोर्ट में भी मुस्लिम पक्ष की याचिका का विरोध करेंगे और उसे खारिज किए जाने की सिफारिश करेंगे। हिंदू पक्ष की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में भी मुख्य रूप से वही दलीलें पेश की जाएंगी, जिन्हे हाईकोर्ट में रखा गया था।

हमने आप को चार सीटें की थीं ऑफर : हुड्डा

» आम आदमी पार्टी से गठबंधन न होने पर बोले कांग्रेस सांसद

» कहा- हरियाणा में नहीं है आप का जनाधार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर चल रही सरगर्मी के बीच कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने आम आदमी पार्टी से गठबंधन न होने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि हमने आप को चार सीटों का ऑफर दिया था। दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में आम आदमी पार्टी का जनाधार नहीं है। पिछले चुनावों में हरियाणा में इनके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई है।

हमने केंद्रीय नेतृत्व के कहने पर कुरुक्षेत्र की सीट दी। विधानसभा चुनाव में हमने आप को लेकर चर्चा की। बातचीत चल रही थी, तभी उन्होंने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी। टिकट बंटवारे में हुड्डा परिवार के दबदबे पर दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि सभी उम्मीदवार सभी कार्यकर्ताओं के हैं। कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला के हैं। हम एकजुट होकर लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हरियाणा में लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया। लगातार हमारे साथ नेता जुड़ रहे हैं। चौधरी बीरेंद्र सिंह वापस आए। उनके बेटे भी आए। उनके कार्यक्रम में भूपेंद्र सिंह हुड्डा शामिल हुए हैं।

हमारे साथ लगातार जुड़ रहे नेता

बीजेपी कर रही सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग

रोहतक से कांग्रेस सांसद हुड्डा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिलने पर कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। पिछले 10 सालों से बीजेपी की सरकार केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। विपक्ष के नेताओं को पर रेड हुई, कार्रवाई हुई। कोई नहीं बचा। अगर बीजेपी में शामिल हो जाता है तो वो केस ठंडे बस्ते में चला जाता है। हुड्डा ने कहा कि चुनाव से पहले उनका नारा था कालाधन लाएंगे। अब उनका नारा है केंद्रीय एजेंसियों को डर दिखाएं, उनको बीजेपी में लाएंगे। विपक्ष के मजबूत नेताओं को निशाना बनाया गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।